संवाद सत्र • एनआईटी पहुंचे आईएएस अमित दीक्षित और सदफ मलिक ने साझा किया अनुभव

विद्यार्थियों ने जाने यूपीएससी की तैयारी के साथ अकादमिक जीवन में संतुलन बनाने के तरीके

जालंधर वीरवार को एनआईटी जालंधर में संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व विद्यार्थी और आईएएस अमित कुमार दीक्षित और सदफ मलिक ने विद्यार्थियों के साथ संस्थान में बिताए दिन और यूपीएससी से जुड़ी बारीकियों को साझा किया। अमित दीक्षित ने एनआईटी से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक और सदफ मलिक ने केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

आईएएस अमित ने अपने संबोधन में बच्चों से कहा कि 'जीवन में अनुशासन, निरंतरता और उद्देश्य की स्पष्टता महत्वपूर्ण है। उन्होंने सिविल सेवाओं की तैयारी करते समय ध्यान केंद्रित रखने और उपलब्ध संसाधनों का बुद्धिमत्ता से उपयोग करने के महत्व पर भी जोर दिया।

वहीं सदफ मलिक ने कहा कि टेक्निकल बैकग्राउंड से आने के कारण, सही मानसिकता के साथ यूपीएससी क्रैक करना संभव है।

संवाद सत्र को संबोधित करते आईएएसऔर मौजूद विद्यार्थी।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपके इंजीनियरिंग के वर्ष आपको समस्या का समाधान करना सिखाते हैं। तैयारी में इस ताकत का उपयोग अधिक लाभदायक होता है। विद्यार्थियों ने अतिथियों से परीक्षा की तैयारी की रणनीतियों, यूपीएससी की तैयारी के साथ अकादमिक जीवन में संतुलन बनाने के तरीकों, सिविल सेवा से जुड़े अनुभवों के बारे में पूछा।

वहीं कार्यक्रम में मौजूद संस्थान के निदेशक प्रो. बिनोद कुमार कनौजिया ने दोनों पूर्व विद्यार्थियों उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। इस मौके पर रजिस्ट्रार प्रो. अजय बंसल, डीन (स्टूडेंट्स वेलफेयर) डॉ. अनीश सचदेवा, चेयरमैन (एलुमनाई अफेयर सेल) और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जतिंदर कुमार रतन, फैकल्टी और स्टाफ मौजूद रहे।